28 Aug Training Program for Paramedics Care Services Inaugurated at ICFAI University

सन्मार्ग | रांची | रांची, सोमवार, 30 अगस्त 2021 | www.live7tv.com | 03

इक्फाई विवि में पैरामेडिक्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

संवाददाता

रांची : ग्रामीण युवाओं को स्वास्थ्य सेवा में कौशल प्रदान करने के लिए तीन माह के लंबे पैरामेडिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन इक्फाई विश्वविद्यालय में उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विवि द्वारा बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर बॉश इंडिया फाउंडेशन, झारखंड जोन के वरिष्ठ अधिकारी मनीष कुमार, साई नर्सिंग ट्रेनिंग स्कूल, रांची की सोनी और शालिनी सम्मानित अतिथि थीं। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को स्वास्थ्य प्रशिक्षण किट वितरित किए गए। कार्यक्रम में विवि के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा कि वर्तमान समय में, एकल परिवारों के कारण, जहां पति-पत्नी काम कर रहे हैं, बीमार बच्चों, बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के लिए घर पर शायद ही कोई होता है। जबकि पेशेवर देखभाल करने वालों जैसी पैरामेडिक्स स्वास्थ्य सेवाओं की मांग एवं प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी है। इसे देखते हुए विवि ने बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से ग्रामीण युवाओं को पेशेवर देखभालकर्ता के रूप में प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम शुरू किया है। राजस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने बताया कि कैसे यह कार्यक्रम जरूरतमंद युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से समग्र विकास में मदद करेगा, ताकि वे तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अपना करियर बना सकेंगे। कार्यक्रम में मनीष कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ गौतम तांती ने भी विचार प्रकट किया। कार्यक्रम में डा बिजोया गांगुली, सहायक प्रोफेसर ने डॉ सुदीप्त मजूमदार और डॉ सुब्रतो कुमार डे समेत अन्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय सागर | विविध | रांची | रविवार, 29 अगस्त 2021 | 12 | web: rashtriyasagar.com

इक्फाई विवि में पैरामेडिक्स देखभाल सेवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : ग्रामीण युवाओं को स्वास्थ्य सेवा में प्रवेश स्तर के कौशल प्रदान करने के लिए तीन महीने के लंबे पैरामेडिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से किया गया है। इस अवसर पर बॉश इंडिया फाउंडेशन, झारखंड जोन के वरिष्ठ अधिकारी मनीष कुमार, श्री साई नर्सिंग ट्रेनिंग स्कूल, रांची की सुश्री सोनी और सुश्री शालिनी सम्मानित अतिथि थीं। इस कार्यक्रम में दलादली के आसपास के गांवों से प्रवेश स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं के इच्छुक बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, वर्तमान समय में, एकल परिवारों के कारण, जहां दोनों पति-पत्नी काम कर रहे हैं, बीमार बच्चों, बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के लिए घर पर शायद ही कोई होता है। जबकि पेशेवर देखभाल करने वालों जैसी पैरामेडिक्स स्वास्थ्य सेवाओं की मांग एवं प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सॉफ्ट स्किल्स के अलावा, नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से प्रवेश स्तर के स्वास्थ्य कौशल प्रदान करना है। 'यह सामाजिक आउटरीच सेवाओं के लिए इक्फाई विश्वविद्यालय की एक और पहल है। हमें खुशी है कि हमारे परिसर के आसपास के गांवों के १८-२५ वर्ष आयु वर्ग के पच्चीस युवा इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उनमें से ज्यादातर लड़कियां है जो स्कूल छोड़ने चुकी है और उन्हें नौकरी की सख्त जरूरत है। ग्रामीण युवाओं को आजीविका प्रदान करने के अलावा, यह कार्यक्रम समाज के जरूरतमंद वर्ग की पैरामेडिकल जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा जिससे उन्हे बहुत संतुष्टि मिलेगी।

प्रो. अरविन्द कुमार, रजिस्ट्रार ने बताया कि कैसे यह कार्यक्रम जरूरतमंद युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से समग्र विकास में मदद करेगा ताकि वे तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अपना करियर बना सकेंगे। श्री मनीष कुमार ने प्रतिभागियों को केयरगिवर प्रोग्राम का लाभ उठाने और अपना करियर बनाने की सलाह दी।

इक्फाइ विवि में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

रांची. इक्फाइ विवि में ग्रामीण युवाओं की आजीविका व स्वास्थ्य सेवा में प्रवेश स्तर के कौशल प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई. तीन महीने का यह प्रशिक्षण बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से हुआ है. दलादली के आसपास के गांवों से कई विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. प्रशिक्षण के दौरान ही सभी प्रशिक्षणार्थियों को किट दिया गया. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा है कि वर्तमान समय में एकल परिवार के कारण जहां पति-पत्नी काम कर रहे हों और बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के लिए पेशेवर लोगों की मांग बढ़ी है. इसे देखते हुए विवि पैरामेडिक्स स्वास्थ्य सेवा प्रशिक्षण आरंभ किया गया है. मौके पर रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार, डॉ गौतम तांती, डॉ विजया गांगुली, डॉ सुदीप्त मजुमदार, डॉ सुब्रतो कुमार डे, डॉ पल्लवी कुमारी, फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारी मनीष कुमार, श्री साईं नर्सिंग ट्रेनिंग स्कूल रांच की सोनी व शालिनी आदि मौजूद थे.

प्रभात खबर
Sun, 29 August 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/62

Morning India
For TV, e-paper & news visit: www.live7tv.com
02 Ranchi, Sunday
29, August, 2021

Training Program for Paramedics Care Services Inaugurated at ICFAI University

MI NEWS SERVICE

RANCHI: A three-month long Paramedics Training Program for imparting entry level skills in healthcare to rural youth was inaugurated at ICFAI University, Jharkhand today. The program is organized by the University in association with BOSCH India Foundation. Mr. Manish Kumar, Senior Officer, BOSCH India Foundation, Jharkhand Zone, Ms. Soni and Ms. Shalini from Shree Sai Nursing Training School, Ranchi were the Guests of honour on this occasion. A huge number of students, aspiring for entry level healthcare services, from villages around Daladali participated in the program. During the program, all the participants were distributed healthcare training kits.

Welcoming the participants, Prof O R S Rao, Vice Chancellor of the University said, "In the current times, due to nuclear families, wherein both spouses are working, there is hardly anyone at home, to take care of after ailing children, old parents/ in-laws. While demand for paramedics healthcare services like professional Care Givers, there is lack of trained workforce. In view of this, the ICFAI University, in association with BOSCH India Foundation, started the program to train the rural youth as professional Care Givers. This program aims to impart entry level healthcare skills, in association with a Nursing College, besides soft skills." "This is yet another initiative of the ICFAI University for Social Outreach Services. We are happy that twenty five youngsters, in the age group of 18-25 years from villages, surrounding our campus, joined the program. Most of them are girls and school drop-outs and badly need a job. Besides providing livelihood to the rural youth, this program helps to meet the paramedical needs of the needy sections of the society, thereby giving a lot of satisfaction."

Prof. Arvind Kumar, Registrar, highlighted how the program will help in holistic development of the needy youth by way of upskilling them so that they can build a career in the fast growing healthcare sector. Mr. Manish Kumar advised the participants to take advantage of the Care Giver program and build their careers. Dr. Gautam Tanty, Associate Professor and Coordinator of the Program explained the road map of the training program and the three phases of training to be covered, which includes one month of on-the-job training.

The participants expressed happiness that they will be getting an opportunity to build a rewarding career. Dr. Bijoya Ganguly, Assistant Professor coordinated the program, with active support from Dr. Sudipta Majumdar and Dr. Subrato Kumar Dey, both Associate Professors of the University. Dr. Pallavi Kumari, Associate Professor proposed a vote of thanks.

Morning India Sun, 29 August 2021
https://epaper.sanmarglive.com/c/62776334

www.ajhindidaily.com रांची, २९ अगस्त, २०२१
आज राजधानी ४

इक्फाई विश्वविद्यालय में पैरामेडिक्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

रांची। ग्रामीण युवाओं को स्वास्थ्य सेवा में प्रवेश स्तर के कौशल प्रदान करने के लिए तीन महीने के लंबे पैरामेडिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से किया गया है। इस अवसर पर बॉश इंडिया फाउंडेशन, झारखंड जोन के वरिष्ठ अधिकारी मनीष कुमार, साई नर्सिंग ट्रेनिंग स्कूल, रांची की सोनी और शालिनी सम्मानित अतिथि थीं। इस कार्यक्रम में दलादली के आसपास के गांवों से प्रवेश स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं के इच्छुक बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को स्वास्थ्य प्रशिक्षण किट वितरित किए गए।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्व. विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस.राव ने कहा, वर्तमान समय में, एकल परिवारों के कारण, जहां दोनों पति-पत्नी काम कर रहे हैं, बीमार बच्चों, बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के लिए घर पर शायद ही कोई होता है। जबकि पेशेवर देखभाल करने वालों जैसी पैरामेडिक्स स्वास्थ्य सेवाओं की मांग एवं प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी है। इसे देखते हुए इक्फाई विश्वविद्यालय ने बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से ग्रामीण युवाओं को पेशेवर देखभालकर्ता के रूप में प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सॉफ्ट स्किल्स के अलावा, नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से प्रवेश स्तर के स्वास्थ्य कौशल प्रदान करना है। यह सामाजिक आउटरीच सेवाओं के लिए इक्फाई विश्वविद्यालय की एक और पहल है। हमें खुशी है कि हमारे परिसर के आसपास के गांवों के 18-25 वर्ष आयु वर्ग के पच्चीस युवा इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उनमें से ज्यादातर लड़कियां है जो स्कूल छोड़ चुकी है और उन्हें नौकरी की सख्त जरूरत है। ग्रामीण युवाओं को आजीविका प्रदान करने के अलावा, यह कार्यक्रम समाज के जरूरतमंद वर्ग की पैरामेडिकल जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा जिससे उन्हे बहुत संतुष्टि मिलेगी।।

दैनिक भास्कर

इक्फाई विवि : ग्रामीण युवाओं को दी जा रही पारा मेडिकल की ट्रेनिंग

रांची | इक्फाई यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि वर्तमान समय में एकल परिवार में पति व पत्नी काम कर रहे हैं। वहीं, बीमार बच्चों, बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के लिए घर पर शायद ही कोई होता है। ऐसी स्थिति में गांव में पारा मेडिकल की ट्रेनिंग लेने वाले युवा उपयोगी होंगे। वे इक्फाई विवि में युवाओं को पारा मेडिकल की ट्रेनिंग के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।